मेवे के लिए विश्वविख्यात है।

(4) शीतोष्ण कटिबंधीय पतझड़ वाले वन ⇒
यह वन अधिकतर उत्तरी गोलार्द्ध के समशीतोष्ण जलवायु वाले प्रदेश में 40° - 60° अक्षांशों के मध्य पूर्वी एवम् पश्चिमी भागों की ओर पाए जाते हैं। इनके मध्य महाद्वीपीय भागों में घास के मैदान विस्तृत है। दोनों तटों की ओर वर्षा पर्याप्त होने एवम् तापमान सर्दियों में कम गिरने से यह वन फैले हैं। यह भी चौड़ी पत्ती वाले वन हैं। 60° के आस-पास इन्हें मिश्रित वन के नाम से भी पुकारते हैं क्योंकि इनमें ऊँचे अक्षांशों की ओर कोणधारी वृक्ष भी मिलते हैं। दक्षिणी गोलार्द्ध में यह 40° दक्षिण में दक्षिण अमेरिका (South America) के पश्चिमी तट एवम् पर्वतपदीय भागों पर पाए जाते हैं।

सर्दियों में कठोर ठंड पड़ने से यहाँ के वृक्षों की पत्तियाँ सर्दियों के प्रारंभ में झड़ जाती हैं जिससे वृक्ष बर्फ व हिम से रक्षा कर सके। यह वन खुले होते हैं। इन वनों की लकड़ी का अनेक प्रकार से उपयोग हो रहा है। यह इमारती लकड़ी लट्ठे चिप बोर्ड आदि बनाने में विशेष काम आती है। यहाँ की लकड़ी टिकाऊ व सुंदर होती है। इन प्रदेशों के मुख्य वृक्ष ओक, मैपिल, बीच, बर्च, हेमलॉक, पोपलर, चेस्टनट अखरोट आदि हैं।

(5) शीतशीतोष्ण कटिबंधीय या टैगा वन ⇒
यह वन उपध्रुवीय प्रदेशों में मुख्यतः उत्तरी गोलार्द्ध में प्रायः 55° - 70° उत्तर तक पाए

Scanned with CamScanner

जाते हैं। वैसे उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग में लेब्रेडोर के पठार पर कठोर ठंडा पड़ने से वहाँ यह 45' तक पाए जाते हैं। विश्व के 85% देगा वन क्षेत्र एशिया, यूरोप एवम् उत्तरी अमेरिका के उपर्युक्त प्रदेशों में और मात्र 4% दक्षिणी अमेरिका 6% आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड में एवम् शेष कोणधारी वन संपूर्ण विश्व के ऊँचे पर्वतीय भागों में फैले हैं। इस प्रकार इन वनों का अधिकांश क्षेत्र उत्तरी गोलार्द्ध के उप आर्कटिक व शीत कटिबंध में पाया जाता है। यहाँ पर वर्ष भर ठंडा रहता है। सर्दियों में तापमान -40°C से भी नीचे चला जाता है। यहाँ के वन लुगदी बनाने, कागज बनाने, कृत्रिम रेशे, दियासलाई उद्योग में विशेष उपयोगी पाए जाते हैं। इन दुकानों का व्यवसायिक फर्नीचर भीतरी सजावट, चौखट पेटियाँ आदि सरलता से बनाई जाती हैं।

यहाँ के मुख्य वृक्ष सिल्वर फर, चीड़, लार्च सीडर आदि हैं। पश्चिमी उत्तरी अमेरिका का डगलसफर वृक्ष अपनी मोटाई एवम् ऊँचाई के लिए विशेष प्रसिद्ध रहा है।

वनों का उपयोग (Use of forests) :-
(i) खिड़की या अन्य किसी कार्य में वन का उपयोग करते हैं।
(ii) वनों का उपयोग लकड़ी को काटकर उद्योग धन्धा करते हैं।

वनों का ह्रास (Depletion of forests) :-
विश्व के विभिन्न भागों में वनों के

अन्तर्गत क्षेत्रफल में निरंतर कमी होती जा रही है। प्रारंभ में भूतल के लगभग 30% भाग में वन का विस्तार था लेकिन अब 15% भाग में ही वन का विस्तार है। इस वनों में धीरे-धीरे कमी आ रही है।

वनों के विनाश होने के निम्न कारण हैं—

(i) बढ़ती जनसंख्या

(ii) मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए वनों का लगातार कटना

(iii) भूभाग में स्थानान्तरित खेती होने के कारण वनों का ह्रास

(iv) पेड़-पौधों में कीड़े लग जाने के कारण पेड़-पौधों का सूखना।

Scanned with CamScanner